

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I--खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

≓• 228]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, विश्लम्बर 23, 1971 पीव 2, 1893

No. 34228]

NEW DELHIATHURSDAY, DECEMBER 23, 1971/PAUSA 2, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

#### PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 23rd December, 1971

Subject:—Utilisation of release orders in respect of canalised items for determining eligibility for grant of licences to actual users for import of raw materials, components and spares.

No. 182-TTC(PN)/71.—Attention is invited to paragraph 25 of the Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book-Vol. 1) for the period April 1971—March, 1972 which lays down eligibility for making applications for import licences by industries other than priority industries, for import of raw materials, components and spares. In terms of these provisions, eligibility of an applicant is determined with reference to the utilization of the previous import licences upto the specified extent.

2. It has been decided that while determining eligibility of the applicants in terms of the above mentioned praragraph 25 of the Red Book, the licensing authorities will also check the utilisation of the previous release orders. For this purpose, the applicants changed in industries other than priority industries should produce the following evidence

in support of the utilisation of release orders along with their import applications for import of raw materials, components and spares:—

- (i) A letter, in original from the canalising agency to show that either the goods covered by the release order have been lifted by the applicant to the extent of at least 60% of the quality or value covered by the release order, or the payment of goods has been made by the applicant to the extent that it constitutes a firm commitment for lifting at least 90 per cent of the quantity or value of the goods covered by the release order
- (ii) If neither of the above conditions is satisfied, but the applicant produces a letter, in original from the canalising agency that the goods have not been lifted for reasons beyond the control of the applicant, owing to temporary non availability of supplies with the canalising agency, such letter will also be treated as evidence of "utilisation" of the release order for the purpose of determining eligibility.
- (iii) If a release order is less than 4 months old on the date of application, so evidence is necessary in support of its utilisation.
- 3. The provisions of prargraph 25 of the Import Trade Control Policy (Red Book Vol. 1) for the period April 1971—March, 1972 may be deemed to have been amended accordingly.

M. M. SEN.
Chief Controller of Imports & Exports.

## विदेश स्थापार मंत्रलय

साव चरिता स्वता

धारिका अवस्था नियम्ब**न** 

# नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1971

चित्रथः --- कच्चे माल, संघटकों ग्रीर फालतू पूजों के ग्रायात के लिए वास्तविक उपयोगक्ताग्रो की लाइसेंस दिए जाने के लिए पावता का निष्चन करने के लिए सरणीबद्ध मदों के संबन्ध मैं रिहाई ग्राविशों का उपयोग ।

सं व 182- आई० दें किसी० (पी० एक०) / किसील, 1971-मार्च, 1972 प्रविधि के लिए सामात स्थापार नियंतण नीति (रैंडनुक वा० 1) के खंड 1 की कंडिका 25 की छोर ध्यान प्राकृष्ट किसा साता है जो प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों को छोड़ कर भन्य उद्योगों द्वारा कच्चे माल, संघटकों और फालतू पुर्जों के झायात के लिए झायात लाइसेंसों के हेतु झावेदन करने से सम्बन्धित पात्रता का निर्धारण करती है। इन व्यवस्थाओं के भनुसार, एक झावेदक की पात्रता का निष्चय विधिष्टिकृत सीमा तक पहले के भायात लाइसेंसों के उपयोग के संदर्भ में किया जाता है।

- 2. यह निश्चय किया गया है कि रैड बुक की उपर्युक्त उपरिलखित कंडिका 25 की शर्तों के अनुसार आवेदकों की पावता का निश्चय करते समय लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी भी पहले के रिहाई आदेशों के उपयोग की जांच करेंगे। इस उद्देश्य के लिए, वे आवेदक जो प्राथमिकता आप्त उद्योगों में लगे हुए हैं, उन्हें कच्चे मास संघटकों और फालतू पुर्जों के धायात के लिए अपने धायात अवेदन-पर्जों के साथ रिहाई आवेशों के उपयोग के समर्थन में निम्म- खिबित साक्ष्य प्रस्तुन करना चाहिए:---
- (1) सरणीबद्ध करने वाले भांभकरण से मूल रूप में प्राप्त एक पत्न उसमें यह दिखाते हुए किया तो रिहाई भादेश के भन्दर भाने वाले माल का या रिहाई भ्रादेश के भन्तर्गत भाने वाले मूल्य का भावे रक द्वारा माला की कम से कम 60 प्रतिशत की सीमा तक उपयोग कर लिया है भ्रयवा भावेदक

द्वारा माल का भूगतान उस सीमा तक कर दिया गया है जो माता की या रिहाई आदेश के अन्तर्गत आने वाले माल के मूल्य का कम से कम 90 प्रतिगत तक की सीमा की पूरा करते के लिए पक्की सचनबद्धता है।

- (2) यदि ऊपर की दोनो शर्तों में से कोई भी पूरी नहीं की जाती, लेकिन आवेदक सरणीबढ़ करने जाने पश्चितरण ने पंस्करण को अध्याओं अनु जब्दार के करण श्रीवेदक के नियंत्रण से बाहर होने के करण मत्त्र का जायोग नहीं किया गण है. तो ऐने पत्न को भी पादता का निश्चय करण के लिए रिड ई आदेश के "उनवेग" के नत्था के कर में अमझा ज एगा।
- (3) यदि रिहाई झादेण आवेदा करने की तारीख से 4 साह से कम का है, तो इसके उपयोग के समर्थन के लिए किसी प्रकार के साक्ष्य की जरूरत नहीं है।
- 3. धप्रैल, 1971-मार्च, 1972की अवधि हे लिए श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रैंडबुक) की कंडिका 25की व्यवस्थाओं को तदनुसार संगोधित किया गया समझा जाए।

एम० एम० सेन, मुख्य नियंत्रक भायात-निर्यात ।